हिन्दी दैनिक

कन्द्री ऑफ इण्डिया

R.N.I. No. : UPHIN/2002/8149

राजधानी लखनऊ से प्रकाशित

महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद, मुरादाबाद, सभंल, अमरौहा, बदायूं, बरेली, सहारनपुर, आज़मगढ़, गोरखपुर, उत्तरांचल, इलाहाबाद तथा वाराणसी, बहराइच में प्रसारित

वर्ष-25 अंक-140 | लखनऊ, गुरुवार, 21 मई 2026 | पृष्ठ-4 मूल्य-रु.

संक्षिप्त समाचार

रोम में पीएम मोदी से मिलकर भावुक हुए भारतीय नागरिक, बोले- देश को हमेशा ऐसे प्रधानमंत्री मिलें

इटली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की है। इस पर भारतीय नागरिकों ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा कि भारत को उनके जैसे प्रधानमंत्री हमेशा मिलते रहें, जिससे देश विकास और कल्याण की राह पर चलता रहे। सनातन धर्म संघ के सदस्य और एक भारतीय नागरिक ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति बहुत प्रभावशाली होती है। वे इटली आए हैं, जिन्हें देखकर हर भारतीय बहुत खुश है।

भारत और इटली के बीच 'डीडीडी' की डील, पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दिया नया मंत्र

(एजेंसी)।

नई दिल्ली। दो दिवसीय इटली दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साझा बयान में कहा कि पिछले लगभग साढ़े 3 सालों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का मौका मिला है। यह भारत और इटली के बीच करीबी सहयोग और सामंजस्य को दशार्ता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला है।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को अपग्रेड करते हुए स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा कर रहे हैं। आज की बैठक में हमने हमारी भावी साझेदारी को और सशक्त बनाने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की। भारत-इटली ज्वाइंट स्ट्रेटेजिक एक्शन प्लान 2025-2029 हमारी साझेदारी को एक व्यवहारिक और फ्यूचरिस्टिक ढांचा प्रदान करता है। हम इस पर समयबद्ध तरीके से

आगे बढ़ रहे हैं।

'डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड'

प्रधानमंत्री ने कहा कि इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान स्केल, टेलेंट और अफोर्डेवल इनोवेशन के पावर हाउस की है। इसलिए हम डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे।

भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी स्वाभाविक है- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में करीबी सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। हमारी सेनाओं के साथ साथ दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। हमारे डिफेंस इंडस्ट्रीयल रोडमैप से को-डेवलपमेंट और को-प्रोडेक्शन का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

एआई मिशन को गति देगा यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर : सीएम योगी

(एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रदेश की भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विषयों - उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर (यूपीडीसीसी), प्रोजेक्ट गंगा और गेहूं के इन-हाउस प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए मंडी शुल्क एवं मंडी सेस में संभावित छूट - की उच्च स्तरीय समीक्षा की।

यूपी बनेगा एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़ा केंद्र

सीएम योगी ने यूपी डाटा सेंटर क्लस्टर (यूपीडीसीसी) की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के एआई मिशन की बुनियादी संरचना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि डाटा सेंटर क्लस्टर केवल एनसीआर क्षेत्र तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि इसकी शुरूआत बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र से की जा सकती है, जहां बड़े पैमाने पर भूमि उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा समूह सहित बड़ी टेक कंपनियों से संवाद स्थापित कर लखनऊ को 'एआई सिटी' के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाए।

2040 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर क्लस्टर प्रदेश को भारत और ग्लोबल साउथ का सबसे बड़ा एआई कंप्यूट पावर सेंटर बनाने की दीर्घकालिक रणनीति है। इसका उद्देश्य राज्य को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई-टेक डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि यह केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि अगले 50 वर्षों के लिए उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक संरचना का खाका है। इसके तहत वर्ष 2040 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था, 1.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार और 5 गीगावॉट एआई कंप्यूट कॉरिडोर विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

पीएम मोदी के नाम एक और सर्वोच्च सम्मान... रोम में कृषि संगठन ने किया सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र की FAO ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2026 का 'एग्रीकोला मेडल' प्रदान किया. कृषि सुधार, खाद्य सुरक्षा, किसानों के कल्याण और वैश्विक स्तर पर मिलेट्स को बढ़ावा देने के अभियानों के लिए यह सम्मान दिया गया.

(एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एवं कृषि संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन (FAO) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2026 के लिए अपने सर्वोच्च सम्मान 'एग्रीकोला मेडल' से सम्मानित किया है. यह सम्मान रोम स्थित FAO मुख्यालय के ऐतिहासिक प्लेनरी हॉल में आयोजित समारोह में एफएओ के महानिदेशक क्यू डोंग्यू ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रदान किया.

FAO के महानिदेशक क्यू डोंगयू ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान लोगों के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, कृषि उत्पादकता बढ़ाने वाली ऐतिहासिक योजनाओं, खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और किसानों के जीवन स्तर में सुधार के लिए किए गए प्रयासों के सम्मान में दिया गया है.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भूख और गरीबी से लड़ने, वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. इसके अलावा भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान कृषि को वैश्विक एजेंडे में प्राथमिकता देने के उनके प्रयासों की भी सराहना की गई.

FAO प्रमुख ने भारत के कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और दूरदर्शिता की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा कि किसान-केंद्रित, नवाचार आधारित और परिवर्तनकारी नीतियों ने भारत की कृषि व्यवस्था को नई दिशा दी है.

पीएम मोदी और ट्रंप अगले महीने मिल सकते हैं, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने जी-7 के लिए किया है आमंत्रित

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने मिल सकते हैं। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले G7 शिखर सम्मेलन में हो सकती है। 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में 15 से 17 जून तक G7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था।

सतीशन सरकार में मंत्रियों को बांटे गए विभाग, सीएम के पास 35 डिपार्टमेंट

(एजेंसी)।

केरल में नई सरकार बनने के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया है। मंगलवार को जारी सरकारी नोटिफिकेशन में बताया गया कि मुख्यमंत्री वी डी सतीशन अपने पास सबसे ज्यादा विभाग रखेंगे। उनके जिम्मे वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह जैसे बड़े विभाग होंगे। इसके अलावा भी मुख्यमंत्री कुल 35 विभागों की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नई कैबिनेट में कई अनुभवी नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को गृह और विजिलेंस जैसे महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए हैं। वहीं शिक्षा, उद्योग और राजस्व जैसे विभाग भी अलग-अलग मंत्रियों को दिए गए हैं। सरकार के शपथ ग्रहण के कुछ दिनों बाद यह विभागों का बंटवारा सामने आया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बाकी विभागों की जानकारी भी जारी की जा सकती है।

मुख्यमंत्री के पास सबसे ज्यादा विभाग

मुख्यमंत्री वी डी सतीशन नई सरकार में सबसे ताकतवर भूमिका में नजर आ रहे हैं। उनके पास वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और पोर्ट्स जैसे अहम विभाग रहेंगे। इसके अलावा भी 31 अन्य विभागों की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री कार्यालय के पास रहेगी। इससे साफ है कि सरकार के कई बड़े फैसलों पर सीधे मुख्यमंत्री की नजर रहने वाली है।

रमेश चेन्निथला को गृह विभाग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को गृह और विजिलेंस विभाग दिया गया है। राज्य की कानून व्यवस्था और जांच एजेंसियों से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी अब उनके पास होगी। इसके अलावा उन्हें तीन और विभाग भी सौंपे गए हैं। हालांकि बाकी विभागों की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

शिक्षा विभाग में नए चेहरे

नई कैबिनेट में शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी अलग-अलग नेताओं को दी गई है। शमसुद्दीन को सामान्य शिक्षा विभाग सौंपा गया है। वहीं रोजी एम जॉन को उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मिली है। राज्य में स्कूल और कॉलेज स्तर की नीतियों पर अब यही मंत्री काम करेंगे।

उद्योग और आईटी विभाग भी बांटे गए

ए पी अनिल कुमार को भूमि और राजस्व विभाग दिया गया है। दूसरी तरफ पी के कुन्हालीकुट्टी को उद्योग, आईटी और टेक्सटाइल विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पास इसके अलावा चार और विभाग भी रहेंगे। सरकार जल्द ही बाकी मंत्रियों और विभागों की पूरी सूची भी जारी कर सकती है।

'आर्थिक तूफान सिर पर है, पीएम इटली में टॉफी बांट रहे', पीएम मोदी के चॉकलेट गिफ्ट पर राहुल का तंज

(एजेंसी)।

नई दिल्ली , कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर इटली की प्रधानमंत्री को कैंडी गिफ्ट करने को लेकर निशाना साधते हुए इसे नेतृत्व नहीं बल्कि नौटंकी करार दिया। राहुल के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इटली की पीएम मेलोनी के दिए कैंडी उपहार को लेकर हमला बोला है। उन्होंने इस कृत्य को नेतृत्व नहीं, बल्कि एक नौटंकी करार दिया है। राहुल गांधी का यह बयान इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी द्वारा मोदी को मेलोडी टॉफी का पैकेट देते हुए एक वीडियो पोस्ट करने के बाद आया है।

क्या लिखा राहुल ने एक्स पर?

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'आर्थिक तूफान सिर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट

रहे हैं! किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं - पीएम हंसकर रील बना रहे हैं, और भाजपा वाले ताली बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।'

वीडियो हुआ वायरल

इससे पहले इतालवी पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 12 सेकंड की वीडियो क्लिप साझा की थी। जिसमें वो भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ दिख रही हैं। इस क्लिप में वो कह रही हैं, "प्रधानमंत्री मोदी हमारे लिए बहुत अच्छा गिफ्ट लेकर आए हैं। ये टॉफियां हैं जो बहुत स्वादिष्ट हैं।" इसके बाद उनकी दाईं तरफ खड़े पीएम मोदी टॉफी का पैकेट उठाते हैं जिस पर लिखा है 'मेलोडी'।'गिफ्ट' को कैमरे की तरफ दिखाने के बाद दोनों खिल खिलाकर हंस देते हैं।इससे पहले पीएम मोदी इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी की ओर से आयोजित डिनर में भी शामिल हुए। उन्होंने इस डिनर की तस्वीरें भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा कीं। पीएम मोदी ने कहा कि वह मेलोनी के साथ बातचीत का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें दोनों देश भारत-इटली संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को कहा 'गद्दार' तो गिरिराज सिंह बोले- 'अगर हिम्मत है तो

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए 'गद्दार' शब्द का इस्तेमाल किया है. राहुल गांधी की ओर से रायबरेली में कहे गए इस शब्द पर बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की प्रतिक्रिया आई है. एबीपी न्यूज से बुधवार (20 मई, 2026) को गिरिराज हि ने कहा कि राहुल गांधी गृह युद्ध करवाने के लिए ऐसा बयान दे रहे हैं.

गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का फ्रस्ट्रेशन है कि उनको सत्ता मिल नहीं रही है. इस वजह से इस तरह के बयान दे रहे हैं. इन्होंने तो भ्रष्टाचार किया है, अब वह नहीं होता है. इस वजह से यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इतना नफरत करते हैं.

'पंजाब के हर इलाके में हो रही सरकार के कामों की चर्चा', विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल का बड़ा दावा

(एजेंसी)।

पंजाब में विधानसभा चुनाव की हलचल धीरे-धीरे तेज होने लगी है। इसी बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी और सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के हर इलाके में लोगों के बीच सरकार के कामों की चर्चा हो रही है। केजरीवाल का कहना है कि चार साल पूरे होने के बाद भी राज्य में सरकार के खिलाफ माहौल नहीं बना है, बल्कि लोगों का समर्थन पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है। उन्होंने इसे "प्रो-इनकंबेंसी" बताया।

केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पंजाब की जनता सरकार के कामों से खुश है और यही भरोसा आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को फायदा पहुंचाएगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य में राजनीतिक गतिविधियां

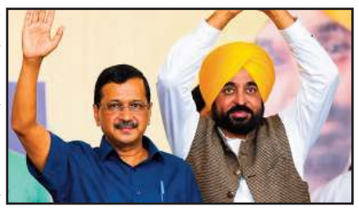

बढ़ने लगी हैं और सभी दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं। आम आदमी पार्टी भी लगातार अपने कामों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में लगी हुई है।

पंजाब सरकार के कामों का किया जिक्र

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के गांवों से लेकर शहरों तक लोग सरकार के कामों की बात कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरी सुविधाओं में लोगों को बदलाव नजर आया है। इसी वजह से जनता का भरोसा सरकार पर बना हुआ है।

पंजाब के कोने-कोने में हमारी सरकार के कामों की चर्चा हो रही है.. 4 साल के बाद भी सरकार के प्रति एंटी-इनकंबेंसी नहीं, बल्कि प्रो-इनकंबेंसी है।

एंटी-इनकंबेंसी नहीं होने का दावा

केजरीवाल ने कहा कि आमतौर पर कुछ साल बाद सरकारों के खिलाफ नाराजगी देखने को मिलती है, लेकिन पंजाब में स्थिति अलग है। उनके मुताबिक यहां लोगों के बीच सरकार को लेकर सकारात्मक माहौल है।

प.बंगाल में सीएम सुवेंदु अधिकारी ने लागू किया सीएए, घुसपैठियों के खिलाफ चलेगा 'डिटेक्ट-डिलीट-डीपोर्ट' अभियान

(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और सीमा सुरक्षा को लेकर भाजपा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में CAA लागू करने की घोषणा करते हुए साफ किया कि अब अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए 27 किलोमीटर जमीन सीमा सुरक्षा बल (BSF) को सौंपने का फैसला भी लिया गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम राज्य और देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

CAA के तहत किन्हें मिलेगी नागरिकता

मुख्यमंत्री ने बताया कि CAA के तहत हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के उन लोगों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी, जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हैं। सरकार के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 तक भारत पहुंचे ऐसे शरणार्थियों को इस कानून का लाभ मिलेगा।

घुसपैठियों को किया जाएगा डिपोर्ट

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जो लोग उअअ के दायरे में नहीं आएंगे, उन्हें अवैध घुसपैठिया माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को राज्य पुलिस गिरफ्तार कर इरऋ को सौंपेगी, जिसके बाद BSF बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB) से संपर्क कर उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू करेगी। अधिकारी ने इस पूरी पहल को 'पता लगाओ, हटाओ, वापस भेजो' फ्रेमवर्क का हिस्सा बताया।

'नबन्ना' में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि "CAA के पात्र समुदायों को कानूनी सुरक्षा दी जाएगी, जबकि अन्य अवैध घुसपैठियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होगी।"

पिछली सरकार पर साधा निशाना

शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व तृणमूल कांग्रेस सरकार पर CAA का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 14 मई 2025 को एक पत्र भेजकर घुसपैठियों को सीधे इरऋको सौंपने की प्रक्रिया लागू करने को कहा था।

लेकिन पिछली सरकार ने इस पर अमल नहीं किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, "एक तरफ पिछली सरकार CAA का विरोध करती रही, दूसरी तरफ उसने केंद्र के अहम प्रावधानों को लागू भी नहीं किया। अब हमारी सरकार इसे पूरी तरह लागू करेगी।"

अभिषेक बनर्जी और सयानी घोष का घर एक? सोशल मीडिया पर बवाल मचा तो टीएमसी सांसद ने दिया जवाब

(एजेंसी)।

TMC के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की संपत्तियां अब कोलकाता नगर निगम (KMC) की गहन जांच के दायरे में हैं। अभिषेक बनर्जी और उनके करीबियों की संपत्तियों की जांच शुरू करते हुए कुल 17 संपत्तियों का हिसाब-किताब मांगने के लिए नोटिस जारी हुआ है। जिनमें कालीघाट रोड और शांतिनिकेतन बिल्डिंग पर स्थित उनके दो आवासों के लिए भेजे गए नोटिस भी शामिल हैं। इन संपत्ति विवादों के बीच, एक नई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

केएमसी को मिली लिस्ट में, अभिषेक बनर्जी से जुड़ी एक संपत्ति में सयानी घोष का नाम संयुक्त मालिक के तौर पर दर्ज है। यह संपत्ति 19ऊ सेवन टैंक रोड स्थित एक फ्लैट बताई गई है, जिसमें अभिषेक और सयानी दोनों संयुक्त मालिक बताए गए हैं। इस खुलासे के बाद सवाल उठने लगे कि क्या ये टीएमसी सांसद सयानी

घोष हैं? क्या वो और अभिषेक एक ही फ्लैट में रह रहे हैं?

क्या बोलीं TMC सांसद सयानी घोष?

अपना नाम सामने आने के बाद, टीएमसी सांसद सयानी घोष ने तुरंत इस मामले पर सफाई दी। उन्होंने बुधवार को अपने ट्विटर हैंडल पर एक बयान जारी किया और अभिषेक बनर्जी से कथित तौर पर जुड़ी कोलकाता की एक संपत्ति के स्वामित्व दावों को 'फर्जी' बताया। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

सयानी घोष बोलीं- यह खबर पूरी तरह झूठी है

सयानी घोष ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा "अभी-अभी कुछ फॉरवर्ड्स देखे, जिनमें कहा गया है कि अभिषेक बनर्जी और सायनी घोष नाम के दो लोग मिलकर एक प्रॉपर्टी (19 D,सेवन टैंक्स रोड) के मालिक हैं। यह खबर पूरी तरह झूठी है।" उन्होंने इन दावों को निराधार बताते हुए स्पष्ट किया कि उनके वित्तीय खुलासे चुनावी हलफनामे से सार्वजनिक हो चुके हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के नमाज वाले बयान पर इकरा हसन बोलीं- सड़कें भी हमारे समाज की संपत्ति...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़कों पर नमाज अदा करने को लेकर चेतावनी देते हुए सोमवार को कहा कि धार्मिक स्थलों पर अलग-अलग पालियों में धर्म से संबंधित गतिविधियां की जानी चाहिए.

अब इस पर समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार, उन्हें किसी भी समुदाय को निशाना बनाने का कोई अधिकार नहीं है. सड़कें समाज की, हमारे लोगों की संपत्ति हैं. जिस तरह सड़कों पर मनाए जाने वाले दूसरे त्योहारों पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होती, उसी तरह 2 मिनट में पढ़ी जाने वाली नमाज पर भी कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए.

सम्पादकीय

मधुमक्खियां, मानव और प्रकृति : साझी जिम्मेदारी

प्रतिवर्ष 20 मई को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा घोषित विश्व मधुमक्खी दिवस (वर्ल्ड बी डे) मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागणकताओं के महत्व के प्रति आम लोगों को जागरूक करना तथा उनके संरक्षण की दिशा में वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि मधुमक्खियां केवल और केवल शहद बनाने वाली छोटी सी जीव मात्र ही नहीं हैं, बल्कि वे इस पृथ्वी पर जीवन, खाद्य सुरक्षा, जैव- विविधता और पारिस्थितिक संतुलन की अत्यंत महत्वपूर्ण व अहम् कड़ी हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यदि मधुमक्खियों का अस्तित्व संकट में पड़ता है, तो मानव जीवन, वृषि और पर्यावरण भी गंभीर संकट में आ जाएंगे। इसलिए मधुमक्खियों का संरक्षण केवल और केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं है, बल्कि उनका जीवन प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में कहीं न कहीं मानव अस्तित्व की भी अहम् आवश्यकता है। अतः हमें अधिक से अधिक पेड़- पौधे लगाने, धरती से रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग को कम करने, जैविक खाद का अधिक उपयोग करने, जैविक खेती अपनाने तथा प्रावृतिक जैव-विविधता को बचाने की दिशा में अपने सामूहिक व यथेष्ठ प्रयास करने होंगे।

सर्वविदित है कि खेती, जैव-विविधता और खाद्य सुरक्षा में मधुमक्खियों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के प्रमुख उद्देश्यों में मधुमक्खियों और अन्य परागणकताओं के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जैव-विविधता और खाद्य-सुरक्षा की रक्षा करना, मधुमक्खियों पर मंडरा रहे खतरों जैसे कि खेती में कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और उनके प्रावृतिक आवासों के विनाश की ओर ध्यान आर्कषित करना, सतत वृषि और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आय में मधुमक्खी पालन के योगदान को रेखांकित करना आदि शामिल है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले वर्ष इस दिवस की थीम-'प्रवृति से प्रेरित मधुमक्खियां, हम सभी का पोषण करती हैं' रखी गईं थी, जबकि इस वर्ष 2026 की थीम-'लोगों और पृथ्वी के लिए मधुमक्खियों के साथ मिलकर कार्य करें' निर्धारित की गईं है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें, तो इसकी शुरूआत का प्रस्ताव सर्वप्रथम यूरोपीय देश स्लोवेनिया ने रखा था।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2017 में 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस घोषित किया तथा पहली बार यह दिवस वर्ष 2018 में मनाया गया। 20 मई की तिथि इसलिए चुनी गईं, क्योंकि इसी दिन आधुनिक मधुमक्खी पालन के अग्रदूत एंटोन जान्सा का जन्म हुआ था। मधुमक्खियों के महत्व की यदि हम बात करें तो ये नीले ग्रह (पृथ्वी) के पारिस्थितिक संतुलन की प्रमुख आधारशिला मानी जाती हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें किसी न किसी रूप में परागणकताओं पर निर्भर हैं, जबकि दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत जंगली पुष्पीय पौधों के प्रजनन में परागण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फल, सब्जियां, तिलहन, मेवे तथा अनेक औषधीय पौधों का उत्पादन मधुमक्खियों के कारण ही संभव हो पाता है। ये जैव-विविधता को बनाए रखने में सहायता करती हैं तथा वृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक होती हैं। यदि मधुमक्खियां न रहें, तो खाद्य-श्रृंखला और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। पाठकों को यह जानकर आार्य होगा कि एक मधुमक्खी अपने पूरे जीवन(जीवनकाल में) में लगभग एक चम्मच का बारहवां हिस्सा ही शहद बना पाती है और एक किलोग्राम शहद तैयार करने के लिए मधुमक्खियों को लाखों पूलों से बहुत मेहनत से रस एकत्र करना पड़ता है।

पेट्रोलियम भंडार, एआई, सेमीकंडक्टर 5 देशों की यात्रा में पीएम मोदी ने क्या-क्या समझौते किए?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 से 20 मई तक वअए, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा किया। आखिर पीएम मोदी की इस 5 देशों की यात्रा में कौन-कौन से बड़े समझौते हुए और इससे भारत को क्या फायदा मिलने वाला है, आइए आसान भाषा में समझते हैं

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 से 20 मई तक 5 देशों (वअए, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली) की यात्रा की। इस दौरान भारत ने अक्, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और टेक्नोलॉजी जैसे कई अहम क्षेत्रों में बड़े समझौते किए। कहीं रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार पर डील हुई तो कहीं अक और इनोवेशन को लेकर नई साझेदारी बनी।

यूरोप से लेकर खाड़ी देशों तक भारत ने अपने रिश्तों को नई मजबूती देने की कोशिश की। आखिर पीएम मोदी की इस 5 देशों की यात्रा में कौन-कौन से बड़े समझौते हुए और इससे भारत को क्या फायदा मिलने वाला है, आइए आसान भाषा में समझते हैं

संयुक्त अरब अमीरात (UAE)

रायटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार, 15 मई को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान युद्ध के बीच संबंधों को गहरा करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर सहमति व्यक्त की है ।

इसमें यह भी कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की आपूर्ति पर समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'दोनों पक्ष रक्षा औद्योगिक सहयोग को गहरा करने और नवाचार और उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, अभ्यास, समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा, सुरक्षित संचार और सूचना आदान-प्रदान पर सहयोग करने पर सहमत हुए हैं।'

नीदरलैंड, समाचार एजेंसी भाषा के अनुसार, वैश्विक भू-राजनीति में बदलावों के बीच भारत और नीदरलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीदरलैंड के उनके समकक्ष रॉब जेटेन के बीच हुई वार्ता के दौरान रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

शनिवार शाम हुई बैठक के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने पश्चिम एशिया की स्थिति, विशेष रूप से क्षेत्र और व्यापक विश्व पर इसके गंभीर प्रभावों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की क्योंकि इसके कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार नेटवर्क में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है।

संयुक्त बयान के अनुसार, मोदी और जेटेन ने होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र नौवहन और वैश्विक वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन का आ'ान किया। उन्होंने किसी भी तरह के 'प्रतिबंधात्मक' कदमों का विरोध किया और इस संबंध में जारी पहलों के प्रति अपना समर्थन भी दोहराया।

मोदी ने रविवार को स्वीडन के लिए रवाना होते समय सोशल मीडिया पर किये गए पोस्ट में कहा, 'मेरी नीदरलैंड यात्रा ने भारत-नीदरलैंड संबंधों को नयी गति प्रदान की है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने से लेकर जल संसाधन, सेमीकंडक्टर, नवाचार, रक्षा, स्थिरता और गतिशीलता में सहयोग का विस्तार करने तक, हमने भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी खाका तैयार किया है।'

स्वीडन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वीडन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक एवं प्रौद्योगिकी संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी खाका पेश किया। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), महत्वपूर्ण खनिज, इनोवेशन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

रविवार को गोथनबर्ग में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, मोदी और स्वीडन के एवं उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया भी बैठक में शामिल हुईं। दोनों नेताओं ने अगले पांच वर्षों में

द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को दोगुना करने की दिशा में काम करने पर भी सहमति व्यक्त की।

मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, 'स्वीडन की मेरी यात्रा कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ संपन्न हुई, जो भारत-स्वीडन संबंधों को नयी ऊर्जा और गति प्रदान करेंगी।'

उन्होंने कहा, 'हमारे संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने, संयुक्त नवाचार साझेदारी के दूसरे संस्करण और भारत-स्वीडन प्रौद्योगिकी और एआई गलियारे की शुरूआत करने से लेकर अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने तक, चचाएं अत्यंत सार्थक रहीं।' विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया है तथा 2026-2030 के लिए एक संयुक्त कार्ययोजना अपनाई है। यह योजना आर्थिक और सुरक्षा लचीलापन, उभरती प्रौद्योगिकियों, विश्वसनीय कनेक्टिविटी तथा स्थिरता-आधारित सहयोग पर केंद्रित है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी चार स्तंभों पर आधारित होगी। इनमें स्थिरता और सुरक्षा के लिए रणनीतिक संवाद, अगली पीढ़ी की आर्थिक साझेदारी, उभरती प्रौद्योगिकियां और विश्वसनीय कनेक्टिविटी, और लोगों, धरती, स्वास्थ्य और लचीलेपन से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से मिलकर भविष्य को आकार देना शामिल हैं।

भारत और स्वीडन ने 'भारत-स्वीडन संयुक्त नवाचार साझेदारी के दूसरे संस्करण की भी शुरूआत की, जिसमें एक डिजिटल संयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र की परिकल्पना की गई है और एआई, 6जी, क्वांटम कंप्यूटिंग, महत्वपूर्ण खनिज, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में गहन सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, दोनों देशों ने भारत-स्वीडन टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉरिडोर के विकास का समर्थन किया है। इसका उद्देश्य एआई, डिजिटल परिवर्तन, नवाचार तथा उद्योग, स्टार्टअप और शोध संस्थानों को शामिल करते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी साझेदारी में सहयोग को बढ़ावा देना है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने व्यापार सुविधा तंत्र को मजबूत करने, 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर नियमित संवाद करने पर भी सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों के भीतर द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को दोगुना करना है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025 में 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी संबंधों को मजबूत करने के लिए हाल में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र कार्यान्वयन के महत्व पर भी जोर दिया। दोनों देशों ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन देने और विशेष रूप से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने, भारत-स्वीडन लघु एवं मध्यम उद्यम और स्टार्टअप मंच विकसित करने का भी निर्णय लिया।

संयुक्त बयान के अनुसार, भारत और स्वीडन ने 'स्वीडन में अध्ययन' और 'स्वीडन में काम' जैसी पहल के माध्यम से छात्रों, शोधकताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीधी और नियमित हवाई संपर्क की संभावना तलाशने पर भी सहमति जताई गई।

नॉर्वे, भारत और नॉर्वे ने सोमवार को ओस्लो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे की मुलाकात के बाद द्विपक्षीय संबंधों को 'हरित रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया और अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और डिजिटल विकास पर समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'आज हम भारत-नॉर्वे संबंधों को 'हरित रणनीतिक साझेदारी' का रूप दे रहे हैं। स्वच्छ ऊर्जा से लेकर जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, नीली अर्थव्यवस्था से लेकर हरित जहाजरानी तक विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करने वाली इस रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से, हमारी कंपनियां भारत के विशाल आकार, गति और प्रतिभा को नॉर्वे की प्रौद्योगिकी और पूंजी के साथ मिलाकर वैश्विक समाधान विकसित करेंगी।'

इटली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मटारेला से मुलाकात की और व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत-इटली साझेदारी को और बढ़ाने पर चर्चा की।

मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मटारेला के साथ भारत-इटली की मित्रता से जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक संपर्क शामिल हैं।

मोदी ने कहा, 'हमने इस बारे में बात की कि हमारे देश एआई, महत्वपूर्ण खनिजों, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कैसे मिलकर काम कर सकते हैं।'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक, दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार साझा किए।

जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'दोनों नेताओं ने भारत-इटली की मजबूत और टिकाऊ साझेदारी को फिर से दोहराया।'

उन्होंने कहा कि मोदी और मटारेला ने 'व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और संस्कृति समेत विभिन्न क्षेत्रों पर बातचीत की।'

इटली में भारतीय दूतावास के मुताबिक, हाल के सालों में भारत और इटली के बीच आर्थिक जुड़ाव बढ़ा है और 2025 में दोनों देशों का व्यापार 14.25 अरब यूरो तक पहुंच गया।

भारत का निर्यात 8.55 अरब यूरो रहा, जबकि 2025 में इटली का भारत को निर्यात 5.70 अरब यूरो दर्ज किया गया, जो 2024 के मुकाबले 9.42 प्रतिशत ज्यादा है। दोनों देशों ने 2029 तक सालाना द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

इटली यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और उसने अपनी वैश्विक व्यापार रणनीति के तहत भारत को प्राथमिकता वाले देशों में से एक माना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को 'Melody' टॉफी गिफ्ट की। इसके बाद जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस गिफ्ट के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। तभी से सोशल मीडिया पर 'Melody' टॉफी की चर्चा तेज हो गई है।

मुंबई इंडियंस ने बनाया अजीबोगरीब रिकॉर्ड, 13 साल बाद हुआ ऐतिहासिक कारनामा

(एजेंसी)।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस (MI) के नाम एक ऐसा अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है, जो क्रिकेट गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के खिलाफ मैच में जैसे ही हार्दिक पंड्या टॉस के लिए उतरे, मुंबई ने इतिहास रच दिया। टीम ने अपने पिछले लगातार तीन मैचों में तीन अलग-अलग कप्तानों का इस्तेमाल किया है।

इस हैरान करने वाले कप्तानी फेरबदल के पीछे खिलाड़ियों की चोट और कुछ पारिवारिक कारण रहे। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या पीठ की तकलीफ के चलते पिछले तीन मैचों से बाहर चल रहे थे। उनकी अनुपस्थिति में टीम को संभालने की जिम्मेदारी उप-कप्तान सूर्यकुमार यादव को सौंपी गई, जिन्होंने दो मैचों में टीम का नेतृत्व किया।

बुमराह का अचानक कप्तान बनना

कहानी में मोड़ तब आया जब सूर्यकुमार यादव भी निजी कारणों की वजह से पंजाब किंग्स के खिलाफ

धर्मशाला में नहीं खेल पाए। इस एमरजेंसी की स्थिति में स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपनी पड़ी। बुमराह ने इस मैच के जरिए आईपीएल में बतौर कप्तान अपना डेब्यू भी किया।

13 साल पुराना रिकॉर्ड दोहराया

आईपीएल के लंबे इतिहास में लगातार तीन मैचों में तीन अलग-अलग कप्तानों को मैदान पर उतारने वाली मुंबई इंडियंस सिर्फ दूसरी टीम बनी है। इससे पहले ठीक ऐसा ही वाकया साल 2013 में देखने को मिला था, जब पुणे वॉरियर्स इंडिया (PWI) ने अपने लगातार तीन मैचों में तीन कप्तान बदले थे। हालांकि तीन कप्तान एक सीजन में कई टीमों (हैदराबाद, पंजाब, पुणे वॉरियर्स इंडिया) ने रखे हैं लेकिन लगातार तीन मैचों में अलग कप्तान दूसरी बार देखने को मिले।

पुणे की वो आखिरी कप्तानी तिकड़ी

साल 2013 के उस सीजन में पुणे वॉरियर्स इंडिया की कमान लगातार तीन मैचों में रॉस टेलर, एंजेलो मैथ्यूज और एरॉन फिंच के हाथों में रही थी। दिलचस्प बात यह भी है कि कप्तानों की यह अदला-बदली पुणे फ्रेंचाइजी के लिए शुभ नहीं रही और वह उनका लीग में आखिरी सीजन साबित हुआ था।

मुंबई इंडियंस का ऑल-इंडियन रिकॉर्ड

क्रिकेट इतिहास में अब तक सिर्फ पांच बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम को एक ही सीजन में तीन कप्तान बदलने पड़े हों। हालांकि, मुंबई इंडियंस इकलौती ऐसी फ्रेंचाइजी है जिसने यह स्थिति अपने सफर में 2 बार देखी है। खास बात यह है कि मुंबई की यह तिकड़ी हमेशा पूरी तरह भारतीय खिलाड़ियों की रही है।

विदेशी बनाम भारतीय कप्तानी का फर्क

इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड का एक बेहद दिलचस्प पहलू यह भी है कि जहां मुंबई इंडियंस ने हमेशा अपने देसी यानी भारतीय खिलाड़ियों (हार्दिक, सूर्या, बुमराह) पर भरोसा जताया, वहीं 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया इकलौती ऐसी टीम थी जिसने एक ही सीजन में तीन विदेशी खिलाड़ियों को कप्तान बनाया था।

लखनऊ की धज्जियां उड़ाने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने क्यों किया अनोखा सेलिब्रेशन, खुद कही बड़ी बात

लखनऊ के खिलाफ 93 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अपने अनोखे सेलिब्रेशन पर कहा कि वे बिना किसी प्लानिंग के हर मैच में कुछ नया करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे अखबारों से दूर रहकर सिर्फ खेल पर फोकस करते हैं।

(एजेंसी)।

जयपुरः आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ महज 38 गेंदों पर 93 रनों की आतिशी पारी खेलने वाले राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस समय हर तरफ छाए हुए हैं। इस करो या मरो वाले मुकाबले में वैभव ने न सिर्फ 5 ऐतिहासिक महा-रिकॉर्ड बनाए, बल्कि टीम के लिए सबसे नाजुक समय पर प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीता। अपनी इस तूफानी पारी के दौरान वैभव ने मैदान पर अपने अनोखे सेलिब्रेशन से भी सबका ध्यान खींचा। मैच के बाद जब उनसे उनके इस खास और नए सेलिब्रेशन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बेहद बेबाकी और मासूमियत से इसका जवाब दिया।

सेलिब्रेशन के पीछे का राज

मैदान पर अर्धशतक पूरा करने के बाद अपने खास स्टाइल में जश्न मनाने को लेकर वैभव सूर्यवंशी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'सर, मुझे खुद नहीं पता! मैं बस हर मैच में कुछ न कुछ नया सेलिब्रेशन करने की कोशिश करता हूं। इसके पीछे मेरी कोई प्लानिंग नहीं होती और न ही इसका कोई खास मतलब या संदेश होता है। यहाँ तक कि पिछले मैच में मैंने जो सेलिब्रेशन किया था, उसका भी कोई मतलब नहीं था। मैं बस मैदान पर नई-नई चीजें ट्राई करता रहता हूं।'

शुरूआत में धीमी बल्लेबाजी और फिर रनों का तूफान

लखनऊ के 221 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव ने शुरूआत में थोड़ा समय लिया, लेकिन फिर देखते ही देखते लखनऊ के गेंदबाजों को रिमांड पर ले लिया। अपनी इस रणनीति पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जब हमारी गेंदबाजी चल रही थी, तो मैं बाहर बैठकर विकेट को देख रहा था। पिच बहुत अच्छी लग रही थी। मैंने बस यही सोचा था कि आज शुरूआत में ज्यादा जल्दबाजी नहीं करूँगा। थोड़ा समय लूंगा, क्योंकि अगर मैं क्रीज पर लंबा टिकता हूं, तो इससे दूसरे छोर पर मौजूद बल्लेबाज को भी काफी मदद मिलेगी। मुझे पता है कि मैं कभी भी दो-तीन चौके या छक्के लगा सकता हूं, इसलिए पैनिक होने की जरूरत नहीं थी।'

इतनी कम उम्र में मिल रही वाहवाही और अटेंशन को कैसे संभालते हैं वैभव?

महज 15 साल की उम्र में पूरे क्रिकेट जगत में नाम कमाने और दिग्गजों से मिल रही तारीफों पर वैभव के पैर आज भी जमीन पर हैं। उन्होंने बेहद परिपक्वता से जवाब देते हुए कहा, 'मैं इन सब चीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। मैं अखबार या सोशल मीडिया की खबरें नहीं पढ़ता, इसलिए इस बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मैं जानता हूं कि यह तो बस शुरूआत है। अगर मेरा करियर लंबा होता है और मैं देश के लिए लंबे समय तक खेलता हूँ, तो लोग आगे और भी बहुत सी बातें करेंगे। मेरा पूरा फोकस सिर्फ अपने खेल पर होना चाहिए ताकि मैं अपने इस सफर को पूरा कर सकूं।'

अगले मैच और प्लेऑफ के

बांग्लादेश ने बदल दिया 26 सालों का इतिहास, पाकिस्तान को क्लीन स्वीप कर किया दुनिया भर में बेइज्जत

(एजेंसी)।

बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 78 रनों से हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही बांग्लादेश ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। यह क्रिकेट इतिहास में पहली बार है जब बांग्लादेश ने अपनी धरती पर पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया है।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बांग्लादेश ने पहली पारी में लिटन दास के संकटमोचक 126 रनों की मदद से 278 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पहली पारी महज 232 रनों पर सिमट गई, जिससे बांग्लादेश को 46 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हुई।

तीसरी पारी में बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने

तैजुल की फिरकी में उलझा पाकिस्तान

बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 137 रनों की शतकीय पारी खेली। रहीम के शतक की बदौलत बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 390 रन बनाए और पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 437 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम पांचवें दिन 358 रनों पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम इस पारी के सबसे बड़े हीरो साबित हुए। उन्होंने कातिलाना गेंदबाजी करते हुए 120 रन देकर 6 विकेट झटके और पाकिस्तान के मध्यक्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

रिजवान की कोशिश नहीं आई काम

पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने मैच बचाने का पुरजोर प्रयास किया। उन्होंने 166 गेंदों में 94 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन वे अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। पूरी पाकिस्तानी टीम अंतिम दिन बांग्लादेशी गेंदबाजों के दबाव के आगे बिखर गई। चौथे दिन के खेल में रिजवान और लिटन दास की बहस भी हुई थी, वह टाइम पास करने का प्रयास कर रहे थे। इस पर बांग्लादेश ने ऐतराज जताया था लेकिन पांचवें दिन की शुरूआत में बांग्लादेश ने जीत दर्ज कर ली।

'मैं 100 जला दूंगा, 60 का हूं पर लड़ना नहीं भूला', रात 3 बजे सलमान खान ने किसी दी धमकी? क्या है मामला?

(एजेंसी)।

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर अपने गुस्से और बेबाक अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई के हिंदुजा अस्पताल के बाहर पैपराजी के साथ हुई बहस के बाद अब सलमान खान ने सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की है। देर रात करीब 3 बजे सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर कई सेल्फी शेयर करते हुए फोटोग्राफरों के बर्ताव पर सवाल उठाए और साफ शब्दों में कहा कि किसी इंसान के मुश्किल वक्त को तमाशा नहीं बनाना चाहिए।

पैपराजी के बर्ताव पर गुस्सा हुए सलमान खान

सलमान खान ने अपने पोस्ट में लिखा है कि उन्होंने हमेशा मीडिया और फोटोग्राफर्स का सम्मान किया है। वह इस बात का ध्यान रखते रहे हैं कि पैपराजी भी सम्मानजनक तरीके से अपना काम कर सकें और अपनी रोजी-रोटी चला सकें लेकिन इस बार मामला उन्हें बेहद गलत लगा।

'दर्द और परेशानी को कैमरे

में कैद करना गलत'

सलमान खान ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर किसी के दर्द और परेशानी को कैमरे में कैद कर उससे फायदा उठाने की कोशिश करे, तो ये इंसानियत के खिलाफ है। सलमान खान का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अस्पताल के बाहर क्यों भड़के सलमान खान?

-दरअसल हाल ही में सलमान खान का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में वह हिंदुजा अस्पताल के बाहर फोटोग्राफरों पर नाराज होते दिखाई दिए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ कैमरा पर्सन भाईजान की कार का पीछा करते हुए अस्पताल तक पहुंच गए थे।

-जब सलमान खान अस्पताल से बाहर निकले तो कई लोग जोर-जोर से भाई-भाई चिल्लाने लगे ताकि उनका ध्यान अपनी ओर खींच सकें।

कन्ट्री ऑफ इण्डिया

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-अब्दुल अज़ीज सिद्दीकी द्वारा गुंजन आफसेट प्रिंटिंग प्रेस, अलीगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 39, एल. डी.ए. कालोनी, हाता लक्ष्मण दास, शिवाजी मार्ग, हीवेट रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक मो0 रईस सिद्दीकी (आश्)

सम्पर्क : -33-बी, पुराना विधायक निवास-(2) दारूलशफा, हज़रतगंज, लखनऊ (यूपी0)। पिन कोड : 226001 प्रधान सम्पादक-अब्दुल अज़ीज सिद्दीकी मोबाइल : 9451503544 ई-मेल : countryofindia@gmail.com

आबकारी मंत्री से मिले शराब कारोबारी, विभिन्न समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। शराब विक्रेता वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने प्रदेश के आबकारी मंत्री से मुलाकात कर कारोबार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। संगठन के कार्य विभाग महामंत्री विकास मोहन श्रीवास्तव ने मंत्री को अवगत कराया कि पूर्व की भांति बीयर सेवन के लिए परमिट रूम की व्यवस्था दोबारा लागू की जाए।

उन्होंने बताया कि महानगरों की देशी मदिरा दुकानों का कोटा काफी अधिक होता है, जबकि ग्राहकों की मांग के अनुसार ही बिक्री हो पाती है। ऐसे में 25 प्रतिशत श्रेणी का माल नहीं बिक पा रहा है, जिससे कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

संगठन के कोषाध्यक्ष शिवकुमार जायसवाल ने कहा कि भीषण गर्मी के कारण ग्राहकों की संख्या कम हो गई है। ऐसे में दुकानों के संचालन का समय सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक किए जाने की मांग की गई, ताकि ग्राहकों और लाइसेंस धारकों दोनों को राहत मिल सके।

इसके अलावा संगठन की ओर से यह भी कहा गया कि लॉटरी प्रणाली के चलते पुराने शराब कारोबारी धीरे-धीरे इस व्यवसाय से बाहर होते जा रहे हैं।

इस दौरान संगठन के उपाध्यक्ष रमेश जायसवाल, शंकर लाल कनौजिया, प्रचार मंत्री विजय जायसवाल, मीडिया प्रभारी देवेश जायसवाल, राजेश जायसवाल, पंकज जायसवाल तथा युवा कारोबारी विपिन जायसवाल सहित कई जनपदों के शराब कारोबारी मौजूद रहे।

मध्यस्थता और पंच-निर्णय में क्षमता विकास के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान को सुदृढ़ करने पर ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक

(एजेंसी)।

भारत की ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता में, भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि मामलों के विभाग ने वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) पर सहयोग को गहरा करने के लिए 19 से 20 मई 2026 को गुजरात के गांधीनगर में वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया। यह बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई, जिसमें ब्राजील, चीन, भारत, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का समापन "मध्यस्थता और पंच-निर्णय में क्षमता विकास के माध्यम से वैकल्पिक विवाद समाधान को सुदृढ़ करने पर ब्रिक्स देशों के न्याय मंत्रियों की घोषणा" शीर्षक वाले संयुक्त घोषणापत्र पर आम सहमति के साथ

हुआ, जिसे 21 से 22 मई 2026 को गांधीनगर में आयोजित होने वाली न्याय मंत्रियों की बैठक में औपचारिक अंगीकरण के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

इस बैठक में ब्रिक्स देशों के वरिष्ठ न्याय अधिकारियों ने विवाद समाधान निवारण (एडीआर) से संबंधित मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए भाग लिया। प्रतिनिधियों ने संस्थागत मध्यस्थता, पंच निर्णय सुधार और वाणिज्यिक एवं सार्वजनिक क्षेत्र के विवादों में एडीआर की भूमिका पर विचार-विमर्श किया, साथ ही अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अनुभवों, चुनौतियों और उभरते रुझानों को रेखांकित किया। व्यापक और रचनात्मक संवाद के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों ने घोषणापत्र के मसौदे को अंतिम रूप दिया, जो मध्यस्थता और पंच-निर्णय को सुलभ और प्रभावी साधन के रूप में विस्तारित करने, पेशेवर बनाने और मुख्यधारा में लाने के लिए ब्रिक्स देशों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह परिणाम लचीले, नवोन्मेषी और सहयोगात्मक कानूनी प्रणालियों के निर्माण के ब्रिक्स सदस्यों के साझा विजन को प्रतिबिंबित करता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का बड़ा फैसला: अखिलेश के गढ़ सैफई में खुलेगा नया डेंटल कॉलेज, छात्रों और मरीजों को होगा फायदा

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के गढ़ सैफई में स्थित उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज में नया सरकारी डेंटल कॉलेज शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है।

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला किया है। योगी सरकार ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के गढ़ सैफई में स्थित चिकित्सा विश्वविद्यालय में नए सरकारी डेंटल कॉलेज को शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस डेंटल कॉलेज में इसी साल कोर्स शुरू हो जाएंगे। लखनऊ स्थित KGMU के बाद सैफई में शुरू होने वाला प्रदेश का यह दूसरा सरकारी डेंटल कॉलेज होगा।

अखिलेश यादव के गढ़ शुरू होगा नया डेंटल कॉलेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सैफई में स्थित उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज (UPUMS) में नया सरकारी डेंटल कॉलेज शुरू करने

के लिए मंजूरी दे दी है। इस कॉलेज में डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (DCI) के मानदंडों के अनुसार, इसी वर्ष इऊर की 50 सीटों पर प्रवेश शुरू होगा। इसके बाद भविष्य में इसको बढ़ाकर 100 सीट कर दिया जाएगा। नए डेंटल कॉलेज में 9 विषयों में टऊर की पढ़ाई भी शुरू करने की तैयारी है।

नया कॉलेज शुरू होने से स्टूडेंट्स को होगा फायदा

वर्तमान में वढवटर में केवल पेरियोडोंटोलॉजी विषय में MDA चल रही है। नए कॉलेज व अस्पताल के स्थापित होने से न सिर्फ छात्रों को बेहतर शिक्षा मिलेगी, बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों को भी उच्च गुणवत्ता वाली डेंटल सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। मेडिकल छात्रों को भी डेंटल की बेसिक ट्रेनिंग मिल सकेगी। यह स्वतंत्र डेंटल कॉलेज और अस्पताल यूपी सरकार के अधीन होगा।

KGMU के बाद सैफई में शुरू होगी इऊर की पढ़ाई

यूपी में अभी तक सरकारी क्षेत्र में केवल किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में ही इऊर की पढ़ाई होती है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में बीएचयू और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भी डेंटल कोर्स उपलब्ध हैं, लेकिन बढ़ती मांग को देखते हुए सरकारी सीटों की कमी बनी हुई थी। अधिकांश छात्रों को महंगे निजी डेंटल कॉलेजों पर निर्भर रहना पड़ता था। नए डेंटल कॉलेज की स्थापना से सैफई और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास होगा। यह कदम स्थानीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण डेंटल शिक्षा प्राप्त करने का बेहतर अवसर प्रदान करेगा।

जून से मंडलीय दौरे पर निकलेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ, विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा

(एजेंसी)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जून से फील्ड में उतरकर विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। बुधवार को लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए योगी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर एक सप्ताह भेजें।

जून के पहले सप्ताह में कार्ययोजना को शासन से स्वीकृति दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जून के पहले सप्ताह से वह मंडलीय दौरे पर निकलेंगे। मंडल मुख्यालयों पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे।

कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक से सभी जिलाधिकारी, मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को शुरू कराने के लिए भूमि पूजन व शिलान्यास जनप्रतिनिधियों से कराया जाए। स्पष्ट कहा कि विभागीय कर्मियों अथवा ठेकेदारों द्वारा की जाने वाली गलतियों की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की नहीं है।

'पिक एंड चूज' की प्रवृत्ति से बचें

मुख्यमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी और मजबूत अवस्थापना किसी भी राज्य की आर्थिक प्रगति की जीवनरेखा होती है।

पीएम मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर भड़के सीएम योगी, 'कांग्रेस के युवराज को अपने...'

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पार्टी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कांग्रेस पार्टी को विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति की जननी बताया है.

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को 'गद्दार' बताया. अब राहुल गांधी के बयान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया सामने आई है. सीएम योगी ने कांग्रेस पार्टी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कांग्रेस पार्टी को विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति की जननी बताया है.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी एक्स पोस्ट पर कहा, "विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति की जननी कांग्रेस के 'युवराज' की अमर्यादित टिप्पणी उनकी नकारात्मक राजनीति, असंयमित सोच और लोकतांत्रिक

मूल्यों के प्रति उनके अनादर को प्रदर्शित करती है.

समूचे देश से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए- सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति उनकी (राहुल गांधी की) घोर निंदनीय टिप्पणी 145 करोड़ देश वासियों के जनादेश, विश्वास और लोकतांत्रिक संस्कारों का भी अपमान है." मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस के 'युवराज' को अपने आपत्तिजनक, असंसदीय और कुंठाजनित वक्तव्य के लिए समूचे देश से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगनी चाहिए.

दरअसल, रायबरेली दौरे पर पहुंचे लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कुछ ऐसा कह दिया है जिससे विवाद बढ़ गया. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जब भी इखढ-फर के लोग आपके सामने आएं और नरेंद्र मोदी-अमित शाह की बात करें तो आप उनसे खुलकर कहिए 'नरेंद्र मोदी-अमित शाह गद्दार हैं. इखढ-फर गद्दार हैं, क्योंकि आप लोगों ने मिलकर देश को बेचने का काम किया है."

पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लेकर राहुल गांधी के द्वारा दिए गए बयान पर सियासी बवाल मच गया है. बीजेपी इस मामले को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है.

लखनऊ में सैलून मैनेजर रत्ना सिंह ने क्यों किया सुसाइड? मुंबई से धरी गई मालिक शरद सिंह की बीवी पल्लवी जोशी

(एजेंसी)।

गोरखपुर: गोरखपुर की रहने वालीं 32 वर्षीय रत्ना सिंह लखनऊ के एक सैलून में मैनेजर थीं। कुछ दिन पहले उन्होंने सैलून मालिक शरद सिंह, उनकी पत्नी पल्लवी जोशी समेत कई लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर सुसाइड कर लिया था। इंटरनेट पर उनका रोते हुए वीडियो सामने आया था। रत्ना के पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई। इसके बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया।

प्रॉपर्टी पर बुलडोजर एक्शन

पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सहित सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सैलून मालिक शरद सिंह की पत्नी पल्लवी जोशी को मुंबई से पकड़ा गया है। साथ ही आरोपियों की प्रॉपर्टी पर बुलडोजर एक्शन भी हुआ है। लखनऊ में संचालित विरासत इंपल्स और मानसून सैलून को पहले ही सीज किया जा चुका है।

मोहल्ले वालों ने कैंडल मार्च निकालकर दी श्रद्धांजलि

मंगलवार की शाम रत्ना सिंह के परिजनों सहित कई लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि सभा की। साथ ही, बाहुबली आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित बिछिया मॉडल कॉलोनी की रहने वाली रत्ना सिंह के घर पर शोक जताने वालों का तांता लगा हुआ है।

मैंने अपनी बेटी को खोया: पिता

जानने वालों ने रत्ना सिंह को एक निर्भीक, अन्याय के खिलाफ लड़ने वाली, होनहार लड़की बताया है। रत्ना के पिता सुधीर सिंह का कहना था कि पुलिस ने अब तक कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हम चाहते हैं कि इस मामले में शामिल हर एक आरोपी के साथ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। मैंने अपनी बेटी को खोया है, जिसे आरोपियों ने इस कदर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया कि वह आत्महत्या करने को मजबूर हो गई। पूरा परिवार गहरे सदमे में है। हमने अपना बहुत कुछ खोया है, हम चाहते हैं कि जिन्होंने मेरी बेटी को दर्द दिया है, वह भी चैन से ना रह पाए।

पिता रेलवे कर्मचारी और मां भाजपा नेता

बता दें कि सुधीर सिंह रेलवे कर्मचारी हैं और उनकी पत्नी भाजपा महिला मोर्चे में प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हैं। बेटा भी आरएसएस का कार्यकर्ता है। मां कुमकुम सिंह पूर्व में पार्षद भी रही हैं। बाद में उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल से गोरखपुर विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था।

मानसून सैलून में मैनेजर थी रत्ना

32 वर्षीय रत्ना सिंह लखनऊ के गोमती नगर विस्तार स्थित मानसून सैलून में मैनेजर थीं। गत 12 मई को रत्ना ने शालीमार विस्टा अपार्टमेंट में फांसी के फंदे पर लटक कर जान दे दी। आत्महत्या करने से पहले उन्होंने 26 सेकंड का एक वीडियो बनाया। इसमें उन्होंने सैलून संचालक शरद सिंह, पत्नी पल्लवी जोशी, मंगल यादव, प्रशांत शर्मा और वैशाली पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। वीडियो में रत्ना रोते हुए यह कहते दिख रही थीं। उन्होंने कहा- 'शरद सिंह और उसके साथी मुझे प्रताड़ित करते थे, उसकी पत्नी मुझे पागल कहती है।'

होटल मैनेजर देवरिया से पकड़ा गया

लखनऊ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना के दो दिन बाद ही होटल के मैनेजर मंगल यादव को देवरिया के खुखुंदु स्थित उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया था। वहीं अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश थी। मंगलवार को लखनऊ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शरद सिंह और उसके दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं बुधवार को पल्लवी जोशी को मुंबई से पकड़ लिया गया।

मुन्ना बजरंगी के साले से शरद सिंह का कनेक्शन

मिली जानकारी के मुताबिक, शरद सिंह का कनेक्शन कई समाजवादी पार्टी के नेताओं से भी है। बताया जा रहा है कि बाहुबली मुन्ना बजरंगी के साले के साथ भी आरोपी का जुड़ाव रहा है। शरद सिंह 'विरासत' के नाम से कई कंपनियों का एक ग्रुप चलाता है।

केमिस्ट्स की हड़ताल का कैसा दिख रहा असर? दिल्ली, लखनऊ-राजकोट-चंडीगढ़ का हाल

ऑनलाइन फामेर्सी और कॉर्पोरेट चेन के विरोध में ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने देशव्यापी बंद का एलान किया है. इस बंद के चलते लखनऊ और गुजरात में जहां व्यापक स्तर पर मेडिकल स्टोर बंद रहे, जबकि दिल्ली के आरएमएल अस्पताल के पास दवा की दुकानें खुली हुई हैं, ताकि दवाई लेने आने वाले लोगों को परेशानी न हो.

(एजेंसी)।

ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) ने ऑनलाइन दवाओं की अनियंत्रित बिक्री, कॉर्पोरेट चेन फामेर्सी द्वारा अत्यधिक डिस्काउंट देने और नशा युक्त दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ बुधवार को देशव्यापी बंद का आयोजन किया है. लखनऊ, अहमदाबाद और दिल्ली सहित कई शहरों में मेडिकल स्टोर बंद रहे, जबकि अस्पतालों के पास जरूरी दवाएं खुली रहीं. अक्डऊ ने सरकार से GSR 817 अधिसूचना रद्द करने, कोरोना काल के नियम खत्म करने और डीप डिस्काउंटिंग पर रोक लगाने की मांग की.

इस देशव्यापी आंदोलन के तहत लखनऊ में मेडिकल एसोसिएशन और फार्मा एसोसिएशन के आ'ान पर पारंपरिक दवा विक्रेताओं ने अपने मेडिकल स्टोर पूरी तरह बंद रखे. हड़ताल के बीच चंडीगढ़ प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि चंडीगढ़ में लगभग एक हजार दुकानें हैं, लेकिन हड़ताल की वजह से 52 दुकानें ही खुली हैं.

दुकानें

देशव्यापी बंद के दौरान आम जनता और गंभीर मरीजों को जरूरी दवाओं की खरीद में किसी भी तरह

इसी तरह गुजरात में अहमदाबाद की 3,000 दुकानों समेत राज्यभर के 35,000 मेडिकल स्टोर्स ने इस हड़ताल को अपना पूर्ण समर्थन दिया है.

चंडीगढ़ और राजकोट में भी दुकानें बंद

इसी तरह चंडीगढ़ और गुजरात के राजकोट में दवा की दुकानें पूरी तरह बंद हैं. चंडीगढ़ में न्यूरोलॉजी के मरीज वरिंदर सिंह पीजीआई में दवा लेने के लिए मेडिकल स्टोर पहुंचे, लेकिन दुकान बंद थी. इसके बाद उन्होंने आजतक से कहा कि उन्हें हड़ताल की जानकारी नहीं थी और वह अपने पिता के साथ मेडिकल रिपोर्ट लेकर फतेहगढ़ साहिब, पंजाब से आए थे.

अस्पतालों के पास खुली रहेंगी

की समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है. एसोसिएशन के फैसले के तहत सभी सिविल अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) और सभी प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों से जुड़े मेडिकल स्टोर्स को पूरी तरह खुला रखा गया है.

दवा व्यापारियों का साफ कहना है कि ऑनलाइन फामेर्सी के तेजी से बढ़ते चलन के कारण उनके पारंपरिक कारोबार पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है. वो बिना डॉक्टरों के पर्चे के हो रही ऑनलाइन बिक्री और नशीली दवाओं की होम डिलीवरी के सख्त खिलाफ हैं. लखनऊ और अहमदाबाद में व्यापारियों ने अपनी एकजुटता दिखाते हुए केवल बेहद जरूरी आपातकालीन काउंटरों को ही आंशिक रूप से संचालित करने की अनुमति दी.

क्या हैं एसोसिएशन की मांगें

AIOCD के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. एस. शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल के मुताबिक, सरकार की नीतियां खुदरा दवा व्यापारियों के हितों को नुकसान पहुंचा रही हैं' केमिस्ट एसोसिएशन की तीन प्रमुख मांगें हैं.

एसोसिएशन की पहली मांग है कि GSR 817 अधिसूचना को रद्द किया जाए और सरकार द्वारा ऑनलाइन दवाओं की बिक्री को लेकर जारी की गई अधिसूचना संख्या GSR 817 को तुरंत वापस लिया जाए. इसके लिए नए सिरे से ढांचा तैयार हो.

एसोसिएशन ने कोरोना काल के नियमों को खत्म करने की भी मांग की है. एसोसिएशन का कहना है कि महामारी के दौरान लागू की गई अधिसूचना GSR 220 को पूरी तरह बंद किया जाए.

डीप डिस्काउंटिंग पर रोक: ऑनलाइन कंपनियों द्वारा दिए जा रहे बेतहाशा डिस्काउंट को रोका जाए या फिर ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (DPCO) में संशोधन कर खुदरा दुकानदारों का मार्जिन बढ़ाया जाए, ताकि वो भी प्रतिस्पर्धा में टिक सकें.

इस हड़ताल को लेकर देशभर में एकमत स्थिति नहीं दिख रही है. केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने बताया कि कई राज्य स्तरीय फामेर्सी संगठनों ने सार्वजनिक हित को देखते हुए हड़ताल से दूरियां बना ली हैं.

बक्से में बिना सिर 5 हिस्सों में मिली लाश किसकी थी? लखनऊ से 366 किमी. दूर पुलिस को मिला बड़ा सुराग

(एजेंसी)।

लखनऊ। जिस युवती की नृशंस हत्या कर उसके धड़ को पांच हिस्सों में काटकर बक्सा और बैग में पैक करने के बाद उसे छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस की बोगी में रखा गया था, उसकी पहचान हो गई है। वह युवती कुशीनगर की रहने वाली है। जीआरपी ने परिवारवालों से पूछताछ की है। जीआरपी ऑनर कीलिंग की दिशा में जांच कर रही है।

युवती चार बहनों में तीसरे नंबर की थी। युवती का एक युवक के साथ संबंध को लेकर परिवार नाराज चल रहा था। जांच में पिता और उसके एक रिश्तेदार की भूमिका संदिग्ध लग रही है। हत्या में शामिल औजार की बरामदगी के लिए जीआरपी ने दो टीमों को कुशीनगर भेजा है।

बीती रविवार को ट्रेन 15114 छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस लखनऊ

पहुंची थी। यहां गोमतीनगर में सफाई के दौरान स्लीपर बोगी एस-1 के गेट के पास एक बक्सा और बैग लावारिस हालत में बरामद हुआ था। जीआरपी ने जब बक्सा और बैग खोला तो उसके भीतर बिना सिर के पांच हिस्सों में बंटा धड़ बरामद हुआ था। धड़ को काटकर पॉलीथिन और बोरे में पैक कर उसे पुराने कपड़ों के साथ ठूंसकर भरा गया था। जीआरपी ने टीटीई, कोच अटेंडेंट, आरपीएफ व जीआरपी एस्कार्ट के साथ यात्रियों से पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद एक टीम छपरा पहुंची और सभी स्टेशनों के प्लेटफार्म पर एस-1 बोगी की फुटेज की पड़ताल की। बिहार के बाद टीम जैसे ही मंगलवार को उत्तर प्रदेश में शामिल हुई, कुशीनगर जिले के एक स्टेशन के फुटेज देखकर वह रुक गई। वहां तुरंत एक टीम भेजी गई और स्थानीय पुलिस की मदद से युवती की पहचान की गई।

पहचान के बाद जीआरपी ने पिता से युवती के बारे में जानकारी हासिल की है। इससे युवती की ऑनर कीलिंग की बात सामने आ रही है। जीआरपी अभी युवती के सिर और हत्या में इस्तेमाल औजारों की खोज कर रही है।

हजरत सैय्यद शहीद मीरा शाह पहलवान बाबा का भव्य उर्सः अकीदत का चार दिवसीय सिलसिला

सैयद अख्तर अली

लखनऊ। राजधानी के चिनहट क्षेत्र में स्थित इंदिरा नहर तिराहा पर हजरत सैय्यद शहीद मीरा शाह पहलवान रहमतुल्लाह अलैह की पावन दरगाह शरीफ में सालाना उर्स मुबारक धूमधाम और शानो-शौकत के साथ मनाया गया। 15 से 18 मई 2026 तक चले इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में सूफियाना परंपरा और भक्ति की अद्भुत छटा देखने को मिली। प्रदेश भर के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों से हजारों अकीदतमंद इस उर्स में शिरकत करने पहुंचे और हजरत की दरगाह पर अपनी श्रद्धा अर्पित की। उर्स की शुरूआत शुक्रवार 15 मई को पवित्र कुरानखानी और फज्र की नमाज के साथ हुई। सुबह से ही दरगाह परिसर में श्रद्धालुओं का सिलसिला शुरू हो गया था। पूरे आयोजन को भव्य बनाने के लिए हर वर्ष की भांति इस बार भी विशेष इंतजाम किए गए थे। शनिवार 16 मई को आयोजित महफिल-ए-शमा में माहौल पूरी तरह सूफियाना हो गया। प्रसिद्ध कव्वालों ने अपनी मधुर आवाज में कलाम पेश किए, जिन पर श्रद्धालु झूम उठे। जवाबी कव्वाली का कार्यक्रम भी बेहद रोचक रहा, जिसमें एक-दूसरे का जवाब देते हुए कव्वालों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। रविवार 17 मई को भी महफिल-ए-शमा का आयोजन हुआ। इसके साथ ही नातिया कार्यक्रम में हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में नातें पढ़ी गईं, जिसने पूरे माहौल को रूहानी रंग प्रदान किया। महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन कार्यक्रमों में शामिल हुए। उर्स का समापन सोमवार 18 मई को कुल शरीफ और विशेष दुआओं के साथ हुआ। इस दौरान चादरपोशी की रस्म भी अदा की गई। अकीदतमंदों ने हजरत की दरगाह पर फातिया पढ़कर अपनी मन्नतें मांगीं और फैज व बरकत हासिल करने की दुआ की। आयोजन समिति के प्रमुख एवं सज्जादा नशीन मुतवल्ली दरगाह शरीफ सैय्यद मोहम्मद अतीक शाह ने सभी अकीदतमंदों से अपील की थी कि वे इस पावन उर्स में शामिल होकर हजरत सैय्यद शहीद मीरा शाह पहलवान बाबा की रूहानी बरकत हासिल करें। उनके आह्वान पर भारी संख्या में लोग उर्स में पहुंचे। पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए स्वयंसेवकों की टीम भी सक्रिय रही। यह पूरा उर्स मीरा शाह वेलफेयर ट्रस्ट, चिनहट, लखनऊ के तत्वावधान में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि हजरत मीरा शाह पहलवान बाबा की दरगाह न सिर्फ लखनऊ बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण सूफी केंद्र है, जहां हर वर्ग के लोग बिना किसी भेदभाव के आते हैं और शांति व सद्भाव का संदेश ले जाते हैं। इस उर्स ने एक बार फिर साबित किया कि सूफी संतों की दरगाहें आज भी सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक बनी हुई हैं। चार दिनों तक चला यह धार्मिक उत्सव लखनऊवासियों के लिए यादगार बन गया।

मोदी की सामयिक अपील

(हिफी फीचर)

- ऊर्जा को बचाने के लिए वर्क फ्रॉम होम की अपील।
- एक साल तक सोना न खरीदें ताकि सोने के आयात में खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके।
- ईंधन की भारी महंगाई के कारण वाहन का कम इस्तेमाल करें, मेट्रो का उपयोग करें, और कारपूलिंग को बढ़ावा दें।
- हर परिवार से खाद्य तेल की खपत में कटौती की अपील ताकि देश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।
- किसान रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम करें और प्राकृतिक खेती अपनाएं।
- विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी उत्पादों को दें प्राथमिकता।
- विदेश यात्रा टालें जिससे विदेशी मुद्रा की हो बचत।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 10 मई को जनता से जो अपील की है, उसे सामयिक, दूरदर्शी और राष्ट्रहित में माना जाना चाहिए। विरोधी दलों के नेता भले ही इस में राजनीति के पुट तलाशें जैसे कि राहुल गांधी ने सोने की खरीद न करने पर नाराजगी जताई है लेकिन इस समय की जरूरत सोना नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की सोच है। देश की जनता इस बात को अच्छी तरह से जानती है कि लगभग तीन वर्ष पहले जब रूस और यूक्रेन का युद्ध प्रारम्भ हुआ था, उसी समय से ईंधन संकट प्रारम्भ हो गया था। यह संकट लगभग 11 सप्ताह पूर्व 28 फरवरी से उस समय और गहरा हो गया जब ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका कूद पड़ा और ईरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त ईंधन मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया। भारत ने ईरान से भी मधुर संबंध बनाए रखे और अमेरिका से भी मित्रता कायम रखी। इससे भारत ने एक तरफ रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदा, दूसरी तरफ भारत के तेल और गैस से भरे जहाज होर्मुज के रास्ते ही भारत पहुंच गये। इस बीच ऊर्जा संकट से पूरी दुनिया त्राहि-त्राहि करने लगी और इसकी आंच भारत तक भी पहुंची। मोदी सरकार ने इस अभूतपूर्व ऊर्जा संकट में देश की जनता को संकट का सामना नहीं करने दिया। पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतें आसमान पर

पहुंच गयीं लेकिन भारत में चूल्हे भी जलते रहे और वाहन भी चलते रहे। हाँ, तेल और गैस के भंडार अब कम हो रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की जागरूक जनता से बहुत सामान्य सहयोग मांगा है। इससे सरकार को तैयारी का समय मिल जाएगा क्योंकि वैश्विक ऊर्जा संकट अभी समाप्त नहीं हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और महंगे ईंधन के बीच देशहित में एक अहम अपील की है। उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक साल तक सोना न खरीदने, खाने के तेल की खपत कम करने, अनावश्यक वाहन उपयोग घटाकर कारपूलिंग करने और विदेश यात्राएं टालने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, देशभक्ति सिर्फ जान देना नहीं बल्कि मुश्किल वक्त में जिम्मेदारी से जीना भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने मेट्रो, कारपूल अपनाने पर जोर दिया।

पीएम मोदी ने वर्क फ्रॉम होम करने पर जोर दिया। इसके पीछे सीधा हिसाब है। दफ्तर आने-जाने में रोजाना लाखों लीटर पेट्रोल-डीजल जलता है। कॉर्पोरेट कंपनियाँ अगर हफ्ते में कुछ दिन भी वर्क फ्रॉम होम लागू करें तो ईंधन की खपत और आयात का बोझ दोनों कम हो सकते हैं। पीएम ने नागरिकों से अपील की है कि वे गैर जरूरी विदेश यात्रा, विदेश में छुट्टियां मनाने और विदेशी शादियों से बचकर और घरेलू पर्यटन और भारत के भीतर समारोह आयोजित करके विदेशी मुद्रा भंडार को संरक्षित करने में मदद करें।

पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना खरीदने वाला देश है और हम हर साल करीब 59 अरब डॉलर यानी लगभग पांच लाख करोड़ रुपए का सोना बाहर से मंगाते हैं। सोने की कीमत और रुपए की कमजोरी के बीच सीधा रिश्ता है। सोना महंगा होता है तो रुपया और टूटता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों को मेड-इन-इंडिया और लोकल लेवल पर बनने वाले प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया, जिनमें जूते, बैग और सहायक उपकरण जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। भारतीय सामान खरीदने से आयात कम होगा और देश के उद्योग और रोजगार को फायदा मिलेगा।

पीएम मोदी ने किसानों से अपील कि वे रासायनिक खाद का उपयोग 50 प्रतिशत कम करें, प्राकृतिक खेती अपनाएं और डीजल पंप की जगह सौर पंप लगाएं। भारत यूरिया की अपनी जरूरत का 25 प्रतिशत, फास्फेट का 90 प्रतिशत और पोटाश का पूरा 100 प्रतिशत विदेश से मंगाता है। 2023-24 में सिर्फ उर्वरक सब्सिडी का बोझ 1.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यूरिया बनाने के लिए प्राकृतिक गैस चाहिए जो खुद आयात होती है। पश्चिम एशिया संकट में गैस महंगी हुई तो खाद महंगी हुई और सरकार की सब्सिडी और बढ़ी। खाद का इस्तेमाल कम करें तो यह पूरी चेन टूटती है।

वैश्विक ऊर्जा मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज से प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ बैरल कच्चे तेल का परिवहन होता है। जहाजों का आवागमन बंद होने से इस वैश्विक संकट का प्रभाव अभूतपूर्व रहा। ब्रेंट क्रूड की कीमत 70 डॉलर से बढ़कर 126 डालर प्रति बैरल हो गयी है। इसके परिणामस्वरूप दुनिया के कई देशों को असाधारण कदम उठाने पड़े। बांग्लादेश में ईंधन की राशनिंग हुई। श्रीलंका में चार दिवसीय कार्य सप्ताह के साथ फ्यूल पास जारी किये गये हैं। दक्षिण कोरिया ने पहली बार ईंधन मूल्य सीमा तय की है। जापान को अपना सबसे बड़ा रणनीतिक तेल भंडार उपयोग करना पड़ रहा है। इसके विपरीत भारत में कोई ईंधन राशनिंग नहीं हुई। देश भर में तेल व गैस की सुचारु आपूर्ति हो रही है। भारत भी अपने लगभग 88 फीसद कच्चे तेल के आयात के लिए इसी मार्ग पर निर्भर रहता है। भारत का लगभग 40 फीसद तेल आयात खाड़ी देशों से होता है। इस प्रकार हमारे देश को भी अभूतपूर्व ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा। लेकिन इसको भारत सरकार ने खुद वहन किया। इसके चलते सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। पीएम ने जनता से अपना योगदान देने के लिए अपील की है जो देश-हित में है। (हिफी)

सोशल एंड मोटिवेशनल ट्रस्ट द्वारा जरुरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री वितरण संपन्न

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय स्वयंसेवी संस्था सोशल एंड मोटिवेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित चेरी काउंटी मंदिर के पास जरुरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री और फल का वितरण किया गया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्षा ममता सिंह एवं संस्थापक रवीन्द्र नाथ सिंह के दिशानिर्देश में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्था के नोएडा अध्यक्ष प्रमोद कुमार श्रीवास्तव के साथ साथ सोशल एंड मोटिवेशनल रिक्रिएशन क्लब की अध्यक्षा अनुपमा श्रीवास्तव एवं सचिव अल्पना अग्रवाल ने भी सक्रिय योगदान किया।

खाद्य सामग्री वितरण के दौरान उक्त मंदिर के पास महिला, पुरुष और बच्चों की लंबी कतार देखी गई और सभी के लिए पर्याप्त मात्रा में समग्री उपलब्ध कराया गया था।

साहित्य,कला, संस्कृति एवं समाज सेवा के लिए समर्पित यह संस्था समय समय पर ऐसे कार्यक्रमों के द्वारा जरुरतमंद लोगों की सहायता करते हुए अपने दायित्व का निर्वाह करती है।

लखनऊ पहुंचे एमपी के सीएम मोहन यादव, बीजेपी नेता अपर्णा यादव के घर जाकर दिवंगत प्रतीक यादव को दी श्रद्धांजलि

सीएम मोहन यादव ने अपर्णा यादव और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर ढांढ़स बंधाया

(एजेंसी)।

लखनऊः मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मंगलवार को विशेष दौरे पर लखनऊ पहुंचे. जहां उन्होंने बीजेपी नेता अपर्णा यादव के आवास पर जाकर उनके दिवंगत पति प्रतीक यादव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. मुख्यमंत्री मोहन यादव विशेष रूप से प्रतीक यादव की याद में उनके शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने लखनऊ आए थे. अपर्णा यादव के आवास पर उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया.

इस दौरान लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का भव्य स्वागत किया गया. भाजपा मध्य प्रदेश के प्रभारी और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी की. इस मौके पर उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल भी मौजूद रहे. दोनों नेताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को फूलों का बुके भेंट कर लखनऊ आगमन पर उनका स्वागत किया.

दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव का यह लखनऊ दौरा राजनीतिक और व्यक्तिगत दोनों ही रूप में बेहद अहम माना जा रहा है. हाल ही में हुआ प्रतीक यादव का निधन राजनीतिक गलियारों में गहरा शोक और चर्चा का विषय रहा है. अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश भाजपा की प्रमुख नेताओं में शुमार हैं और यादव परिवार की सक्रिय सदस्य हैं. इस दुखद घड़ी में संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रतीक यादव एक बेहद सरल और अच्छे इंसान थे और उनका असमय जाना पूरे परिवार के लिए एक बड़ा आघात है.

वहीं, सीएम मोहन ने परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा भी जताया. इस दौरे के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे. मुख्यमंत्री के साथ एमपी के अधिकारियों का एक छोटा दल भी था. यह दौरा भाजपा के अंदरूनी एकजुटता और नेताओं के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने का संदेश भी देता है. इधर अपर्णा यादव ने मोहन यादव के इस सद्भावना दौरे के लिए आभार व्यक्त किया है.